अपोलो के परवर्ती मशिन

अपोलो के परवर्ती मिशन

- नासा के आर्टेमिस मिशन को प्रसिद्ध अपोलो अंतरिक्ष कार्यक्रम की अगली पीढ़ी के रूप में जाना जाता है
- इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक मनुष्य को चंद्रमा पर भेजकर पुन: पृथ्वी पर वापस लाना है और बाद में एक आधार स्थापित करना है जो भविष्य में मंगल ग्रह के मानव अन्वेषण के लिये एक कदम के रूप में काम कर सकता है।

आर्टेमिस I चंद्रमा से 64000 किमी. दूर उड़ान भरने और पृथ्वी पर वापस आने से पहले चंद्रमा की सतह के भीतर 97 किमी. तक ओरियन कैप्सूल के प्रवेश हेतु 25 दिन की परीक्षण उड़ान पूरी करेगा।

आर्टेमिस 1 तीन परीक्षण डमी के साथ पहली उड़ान भरी है, यदि तीन-सप्ताह की परीक्षण उड़ान सफल हुई तो रॉकेट चालक दल के एक खाली कैप्सूल को चंद्रमा के चारों ओर एक चौड़ी कक्षा में ले जाएगा और फिर कैप्सूल दिसंबर में प्रशांत क्षेत्र में पृथ्वी पर वापस आ जाएगा।

आर्टेमिस 2 वर्ष 2024 में उड़ान भरेगा और चंद्रमा पर बिना किसी टचडाउन के चंद्रमा की कक्षा में तीन लोगों के दल को ले जाएगा।

आर्टेमिस 3 वर्ष 2025 के लिये निर्धारित है और यह अपोलो मिशन के बाद पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर ले जाएगा।।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/later-apollo-missions-1